न्यू साउथ वेल्स् इम्युनाइज़ेशन शड्यूल (न्यू साउथ वेल्स् का प्रतिरोधण कार्यक्रम)

वर्तमान एन एस डब्ल्यू इम्युनाइज़ेशन शड्यूल देखने के लिए दि एन एस डब्ल्यू हैल्थ की वेबसाईट: www.health.nsw.gov.au/immunisation/Pages/schedule.aspx पर जाएं

सेव दि डेट टु वैक्सीनेट (टीका लगवाने की अगली तिथि याद रखें)

शिशुओं को **समय पर टीके लगवाना** महत्त्वपूर्ण है ताकि जितनी जल्दी हो सके उन्हें सुरक्षा मिल सके और उन्हें घातक बीमारियाँ होने का खतरा न हो। 'Save the Date to Vaccinate' एक फ़ोन का प्रोग्राम है जो आपको उन्हें समय पर टीके लगवाने में सहायता देता है।

'Save the Date to Vaccinate' की वेबसाईट www.immunisation.health.nsw.gov.au/ पर जाएं और उपयोगी जानकारी तथा अन्य संसाधन प्राप्त करें जैसे कि अपने बच्चों के व्यक्तिगत टीकों की सारणी और वीडियो।

माई पर्सनल हैल्थ रिकॉर्ड (ब्लू बुक – मेरा व्यक्तिगत स्वास्थ्य अभिलेख – नीली पुस्तिका)

डॉक्टर/नर्स द्वारा आपके बच्चों को लगाए गए सभी टीकों का अभिलेख दर्ज करवाने के लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि उन्हें मिलने समय आप हर बार अपने बच्चे की ब्लू बुक (नीली पुस्तिका) साथ लाएं।

अधिक जानकारी

एन एस डब्ल्यू हैल्थ (न्यू साउथ वेल्स् स्वास्थ्य) वेबसाईट
www.health.nsw.gov.au/immunisation

ऑस्ट्रेलियन गवर्नमेंट (ऑस्ट्रेलियन सरकार) डिपार्टमेंट ऑफ़ हैल्थ (स्वास्थ्य विभाग) वेबसाईट
www.health.gov.au

दि नेशनल सेंटर फॉर इम्युनाइज़ेशन रिसर्च एंड सर्वेलैंस (प्रतिरक्षण अनुसंधान और निगरानी का राष्ट्रीय केंद्र – एन सी आई आर एस)
www.ncirs.edu.au/about/index.php

एन सी आई आर एस हिपेटाईटिस बी फैक्टशीट (तथ्यपत्र)
www.ncirs.edu.au/immunisation/fact-sheets/hepatitis-B-fact-sheet.pdf

ऑस्ट्रेलियन चाईल्डहुड इम्युनाइज़ेशन रजिस्टर की वेबसाईट
www.humanservices.gov.au/customer/services/medicare/australian-childhood-immunisation-register

SHPN (CHP) 130466
December 2013 © NSW Ministry of Health.

Hindi

हिपेटाईटिस बी (यकृत शोथ) का टीका

आपके नवजात शिशु के लिए

NSW GOVERNMENT | Health

हिपेटाईटिस बी

हिपेटाईटिस बी के वायरस (रोगाणु) से लंबे समय के लिए यकृत की बीमारी हो सकती है जैसे कि सिरोसिस ऑफ़ लिवर (यकृत शोथ) और यकृत का कैंसर। जो शिशु हिपेटाईटिस बी से संक्रमित हो जाते हैं, उनमें जीवन पर्यंत चिरकालिक संक्रमण के होने का खतरा 90% रहता है।

हिपेटाईटिस बी अत्यंत संक्रामक है और यह निम्नलिखित तरीकों से आसानी से फैलता है:

- शिशु के जन्म के समय संक्रमित माता से उसके शिशु में स्थानांतरण
- संक्रमित वस्तुओं जैसे कि सुई या रेज़र ब्लेड के लगने से त्वचा का वेधन होने पर
- किसी खुले घाव जैसे कि खरोंच या चीर के संक्रमित व्यक्ति के रक्त से सीधे संपर्क होने पर
- संक्रमित व्यक्ति से यौन संबंध के द्वारा।

गर्भावस्था के दौरान परीक्षण

सभी स्त्रियों की आम गर्भ जाँच के दौरान उनका हिपेटाईटिस बी के संक्रमण के लिए परीक्षण होना चाहिए। यदि परीक्षण का परिणाम पोज़िटिव (संक्रमित) हो तो शिशु को संक्रमण और चिरकालिक यकृत की बीमारी से बचाने के लिए उपचार की आवश्यकता होगी। माता के उपचार की संस्तुति भी हो सकती है।

रोग से बचाव

हिपेटाईटिस बी के टीके की दवा का ऑस्ट्रेलिया में 1980 के दशक के आरंभिक वर्षों से इस्तेमाल किया जा रहा है और इस बीमारी से बचने का सर्वाधिक कारगर उपाय इसका टीका लगवाना है।

नवजात शिशुओं के लिए हिपेटाईटिस बी का टीका

सभी नवजात शिशुओं को जन्म के समय हिपेटाईटिस बी का टीका उपलब्ध करवाया जाता है ताकि:

- संक्रमित माता से उसके शिशु में यह रोग न फैले। कभी-कभी माता को पता नहीं होता कि उसे यह बीमारी है; और
- जीवन के आरंभिक महीनों में उसी घर में साथ रह रहे संक्रमित लोगों या अन्य संभावित संक्रमित लोगों से यह बीमारी न फैले।

हिपेटाईटिस बी के टीके का कार्यक्रम

यह संस्तुति है कि आपके शिशु को जन्म के समय या जन्म के बाद के पहले 7 दिनों में हिपेटाईटिस बी के टीके की एक खुराक दी जाए और फिर तीन और खुराकें उसे 6 सप्ताह, 4 महीने और 6 महीने की आयु में दी जाएं।

हिपेटाईटिस बी के टीके की दवा कितनी सुरक्षित है

व्यापक अनुभव से यह साबित हुआ है कि हिपेटाईटिस बी की दवा सुरक्षित और नवजात शिशुओं के लिए सहनशील है। इस दवा से होने वाले आम दुष्प्रभाव गौण हैं और इनमें टीके के स्थान पर लाली और सूजन शामिल हैं। हिपेटाईटिस बी की दवा से स्तनपान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

हिपेटाईटिस बी पोज़िटिव माताओं के शिशुओं का उपचार

जो माताएं हिपेटाईटिस बी से संक्रमित हैं उनके बच्चों को जन्म के समय हिपेटाईटिस बी का टीका तो उपलब्ध होता ही है, उन्हें और अधिक सुरक्षा के लिए जन्म के 12 घंटे के भीतर 'हिपेटाईटिस बी इम्युनोग्लोबुलिन' नामक दवा भी उपलब्ध करवाई जाती है। चिरकाल के संरक्षण के लिए आवश्यक है कि उन्हें हिपेटाईटिस बी के टीकों का पूरा कोर्स दिया जाए।

हिपेटाईटिस बी पोज़िटिव माताओं के शिशुओं की आगे जाँच

जिस शिशु के जन्म के समय उसकी माता हिपेटाईटिस बी से संक्रमित होती है, उसको हिपेटाईटिस बी के टीकों का पूरा कोर्स लगने के बाद उसके रक्त की जाँच की जाती है जिससे यह पता चलता है कि वह संरक्षित है या नहीं। एन एस डब्ल्यू हैल्थ द्वारा इस बारे में आपको और आपके डॉक्टर (चिकित्सक) को एक स्मरण पत्र भेजा जा सकता है।